वैज्ञानिक सलाहकार समिति की नवमीं बैठक

कार्यवाही विवरण

(27 अप्रैल 2015)

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय

कृषि विज्ञान केन्द्र, भलेसर महासमुन्द(छ.ग.)

कृषि विज्ञान केंद्र, महासमुंद के लिए गठित वैज्ञानिक परामर्श समिति की नवमी बैठक का विवरण

स्थान - कृषि विज्ञान केंद्र, गरियाबंद दिनांक 27 अप्रेल 2015

-: बैठक विवरण :-

क्र.	विवरण	समय
1	अतिथियों एवं सममानीय सदस्यों का आगमन एवं स्वागत	10:30 - 11:00 AM
2	कृषि विज्ञान केंद्र, महासमुंद की प्रमुख उपलब्धियों एवं आगामी कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण कार्य योजना पर चर्चा एवं सुझाव	11:00 - 1:00 PM
3	मुख्य अतिथियों एवं माननीय सदस्यों द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र, महासमुंद को गतिविधियों पर सुझाव एवं परिचर्चा	1:00 - 1:30 PM
4	कृषि विज्ञान केंद्र, धमतरी की प्रमुख उपलब्धियों एवं आगामी कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण कार्य योजना पर चर्चा एवं सुझाव	1:30 - 2:30 PM
5	मुख्य अतिथियों एवं माननीय सदस्यों द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र, धमतरी को गतिविधियों पर सुझाव एवं परिचर्चा	2:30 - 3:00 PM
6	भोजनावकाश	3:00 - 3:30 PM
7	कृषि विज्ञान केंद्र, गरियाबंद की प्रमुख उपलब्धियों एवं आगामी कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण कार्य योजना पर चर्चा एवं सुझाव	3:30 - 5:00 PM
8	मुख्य अतिथियों एवं माननीय सदस्यों द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र, गरियाबंद की गतिविधियों पर सुझाव एवं परिचर्चा	5:00 - 5:30 PM
9	माननीय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक का समापन	5:30 PM

वैज्ञानिक परामर्श समिति की नवमी बैठक दिनांक 27.04.2015 का कार्यवाही विवरण

वैज्ञानिक परामर्श समिति की नवमी बैठक का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र , गरियाबंद में दिनांक 27.04.2015 दिन सोमवार को किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक विस्तार सेवाएँ , इन्दिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर डॉ. एम. पी. ठाकुर ने किया। उपरोक्त बैठक मे डॉ. आर. एल. शर्मा कार्यक्रम समन्वयक गरियाबंद, डॉ. एस. एस. चंद्रवंशी, कार्यक्रम समन्वयक धमतरी, डॉ. एस. के. वर्मा कार्यक्रम समन्वयक महासमुंद तथा कृषि विज्ञान केंद्र महासमुंद के विशेषज्ञ डॉ. सौगात ससमल, डॉ. मनीष सिंह, इंजी. रवीश केशरी, श्री. साकेत दुबे एवं श्री. एस. एम. अली. हुमायूँ उपस्थित थे। इसके अलावा कृषि विज्ञान केंद्र, महासमुंद की वैज्ञानिक परामर्श समिति के मनोनीत सदस्य श्री. खिलावन साहू (सरपंच , ग्राम- भालेसर), श्री रामधीन सिन्हा तथा प्रगतिशील कृषक श्री. प्रशांत पुरोहित उपस्थित थे।

सर्वप्रथम डॉ. एस. के. वर्मा , कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केंद्र महासमुंद ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. एस. के. वर्मा ने सभी सदस्यगण को अवगत करते हुए बताया की बैठक का उद्देश्य यह है की कृषि विज्ञान केंद्र का संपर्क एवं समन्वय कृषि से संबन्धित विभागों से बना रहे साथ ही कृषि विकास के क्षेत्र में काम करने के लिए सुझाव , उत्साह व प्रेरणा प्राप्त होती रहे। तदुपरान्त डॉ॰ एस॰ के॰ वर्मा ने विगत वर्ष 2014-15 मे किए गए कार्यों एवं विभिन्न उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होने बताया कि , जिले में प्रमुख फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए उन्नत उत्पादन तकनीक, मिश्रित खेती का महत्व , जिले में प्रमुख अनाज , दलहनी एवं तिलहनी फसलों के कीट एवं रोगों के नियंत्रण, मशरूम उत्पादन, फल सब्जी प्रसंस्करण, कम खर्च में उपलब्ध पोषण आहार विषयों पर एवं ग्रामीण युवाओं हेतु 64 प्रशिक्षण आयोजित किए गए हैं जिनसे लगभग 2030 कृषक एवं कृषि महिलाएं लाभान्वित हुए।

वर्ष 2014-15 में कृषि विज्ञान केंद्र महासमुंद द्वारा धान , दलहन एवं अन्य फसलों पर कृषकों के खेतों पर प्रदर्शन डाले गए , जिसका कुल रकबा 18.92 हेक्टयर .था तथा 99 कृषक लाभान्वित हुए। केंद्र द्वारा प्रसार गतिविधियों जैसे प्रक्षेत्र दिवस, किसान गोष्ठी, पूर्व प्रशिक्षणार्थी बैठक, रेडियो वार्ता, टी॰ वी॰ वार्ता के अंतर्गत कुल 30 गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिससे

लगभग 3000 कृषक लाभान्वित हुए। डॉ. वर्मा ने 2015-16 की प्रस्तावित कार्य योजना की चर्चा के , बारे मे विस्तार मे बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र महासमुंद द्वारा कृषकों , महिला कृषकों , ग्राम स्तर प्रसार कार्यकर्ता एवं ग्रामीण युवाओं से चर्चा उपरांत उनकी कृषि संबंधी समस्याओं , उपलब्ध संसाधनों को पहचान कर कृषकों के सुझावों को सम्मिलित कर एवं वैज्ञानिक आधार पर इन समस्यों के हल हेतु वर्ष 2015-16 की कार्ययोजना बनाई गयी है। कृषि व कृषि से संबन्धित विषयों पर कृषकों व महिला कृषकों को लगभग 80 प्रशिक्षण देना प्रस्तावित है , जिसमे लगभग 2000 लोगों के लाभान्वित होने का अनुमान है। वर्ष 2015-16 में लगभग 200 कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं एवं अधिकारियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। दलहन , तिलहन, मशरूम, सीडड्रिल, मछली उत्पादन एवं पोशक बाड़ी आदि फसलों पर कृषकों खेतों पर लगभग 12 हेक्टेयर में प्रथम पंक्ति प्रदर्शन लेना प्रस्तावित है।

धान , गेहूं, चना, टमाटर, तिवड़ा एवं महिला श्रम आदि विषयों पर वर्ष 2015-16 मे कृषकों के खेतों में प्रयोग किया जाना प्रस्तावित है। इसके अलावा फसल उत्पादन की विभिन्न तकनीकों, फसल संरक्षण एवं अन्य कृषि संबन्धित विषयों पर कृषकों हेतु प्रशिक्षणों की प्रस्तावित योजना पर उन्होने विस्तार पूर्वक चर्चा की।

चर्चा के दौरान डॉ॰ एम॰ पी॰ ठाकुर नें उच्चहन भूमि में धान उत्पादन , प्रक्षेत्र में शकरकंद उत्पादन एवं मशरूम उत्पादन के लिए सुझाव दिये। कृषकों के आर्थिक स्तर में सुधार हेतु जिले में उद्यानिकी फसलें, मशरूम उत्पादन एवं मछली उत्पादन के क्षेत्रों में कार्य करने के लिए सलाह दी। उन्होने कहा कि कृषकों के खेतों में समय-समय पर भ्रमण कर उनकी समस्यों का निदान करें।

डॉ॰ एम॰ पी॰ ठाकुर नें केंद्र द्वारा किए गए कार्यों कि सराहना करते हुए कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है और साथ ही उन्होने और अधिक उन्नति हेतु शुभकामनाएँ दी।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. एस. के. वर्मा नें बैठक में भाग लेने वाले सभी सम्मानीय सदस्यों, अतिथियों, अध्यक्ष, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से बैठक को सफल बनाने हेतु आभार प्रदर्शित किया।

बैठक मे दिये गए प्रमुख सुझाव

1. कृषि विज्ञान केंद्र प्रक्षेत्र का कृषि योग्य भूमि का रकबा बढ़ाया जावे एवं बीज उत्पादन कार्यक्रम खरीफ, रबी तथा ग्रीष्म तीनों मोसमों मे किया जाये।
2. प्रक्षेत्र मे शुष्क उद्यानिकी फलों का मातृ वृक्ष रोपण किया जाए।
3. प्रक्षेत्र के विकास के लिए वि.वि. तथा ज़िला प्रशासन से वित्तीय सहयोग प्राप्त करने हेतु परियोजना तैयार करें।
4. मूँगफली कि उन्नत किस्मों को पहले ओ.एफ.टी. के माध्यम से परखें तदुपरान्त कृषको सलाह दें.
5. सूक्ष्म सिंचाई हेतु प्रगतिशील कृषको को उद्यानिकी विभाग से वित्तीय सहयोग प्राप्त करने हेतु प्रेरित करें।
6. तरबूज कि खेती करने वाले कृषकों के नाम, रकबा एवं मोबाइल नंबर उपलब्ध कराएं.
7. कृषि विज्ञान के प्रक्षेत्र मे रबी उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा दिया जाए।
8. शकरकंद कलम जिन किसानो को वितरित कि गई है, सुनिश्चित करें के किसानो के द्वारा इसका प्रवर्धन किया जा रहा है या नहीं।
9. रोग लक्षण पहचान के लिए हर सप्ताह डाइग्नोज भ्रमण प्रमुख फसलों मे किया जाय।
10. किसान मोबाइल संदेश मे अधिक से अधिक किसानो का पंजीयन कराया जाए।
11. प्रदर्शनो मे किए गए उपचारों का संखिकीय विश्लेषण कर ज्ञात किया जाय कि उपचार महत्वपूर्ण है कि नहीं.
12. पैरा मशरूम बीज उत्पादन कृषि विज्ञान केंद्र मे करने हेतु सलाह दी गयी।

वैज्ञानिक सलाहकार बैठक की झलकियां